

आंसुड़ा | By Shyam Salona

म्हारा नैणा रो सूखण लाग्यो नीर
दयालु म्हारी पीड़ हरो
पीड़ हरो दयालु पीड़ हरो
म्हारा आंसुड़ा बंधावे कोणी धीर
दयालु म्हारी पीड़ हरो

थारे बिन म्हाने कुछ ना भावे
नैना झर झर नीर बहावे
म्हारो छूटण हे लाग्यो इब धीर
दयालु म्हारी पीड़ हरो
म्हारा आंसुड़ा बंधावे कोणी धीर
दयालु म्हारी पीड़ हरो

मैं तो आयो जी थारे आंगणे
लाज राख ले ओ बाबा दास की तू आज रे

थारे तक आवाज़ ना जावे
थे ना आया तो लाज या जावे
आनो पड़सी थाने तो दातार
दयालु म्हारी पीड़ हरो
म्हारा आंसुड़ा बंधावे कोणी धीर
दयालु म्हारी पीड़ हरो

हारयोडा ने और ना हराओ
बेगा आजो लाज बचाओ
थारे चरणा में चन्दा री तकदीर
दयालु म्हारी पीड़ हरो
म्हारा आंसुड़ा बंधावे कोणी धीर
दयालु म्हारी पीड़ हरो

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%82%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a4%be-by-shyam-salona/>